Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation

अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना

तमिलनाडु में अमृत नगरों का पुनरीक्षण और विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रहण पर प्रशिक्षण रिपोर्ट

26-27 अगस्त 2019

सत्यमेव जयते

नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

भारत सरकार

1.0 प्रस्तावना

अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना अक्टूबर 2015 में सभी 500 मिशन शहरों को कवर करते हुए शुरू की गई थी। यह 515 करोड़ रुपये के बजट के साथ पूरी तरह से केंद्र द्वारा वित्त पोषित उप-योजना है। उप-योजना के अंतर्गत प्रमुख घटकों में भू-डेटाबेस निर्माण, मास्टर प्लान तैयार करना और क्षमता निर्माण शामिल हैं।

एक बार मसौदा भू-डेटाबेस राज्यों को वितरित कर दिया जाता है, तो जमीनी सर्वेक्षण के माध्यम से विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रह और पुनरीक्षण का कार्य किया जाता है। इस संबंध में टीसीपीओ राज्य सरकारों के अनुरोध पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। अब तक राज्य सरकारों के साथ पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के 250 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। तमिलनाडु सरकार के अनुरोध पर 26-27 अगस्त, 2019 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

2.0 तमिलनाडु में जीआईएस आधारित मास्टर प्लान की उप-योजना का कार्यान्वयन

तमिलनाडु में अमृत मिशन के अंतर्गत 33 नगर (3 मेट्रो, 30 श्रेणी-I और अन्य) शामिल हैं। हालांकि, तमिलनाडु सरकार ने उप-योजना में 18 नगरों का चयन किया है।

2.1 प्रगति

उप-योजना के अंतर्गत राज्य में अठारह नगरों के लिए 16.01 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं (एनआरएससी को जियो-डेटाबेस निर्माण के लिए 2.15 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और 13.86 करोड़ रुपये मास्टर प्लान तैयार करने तथा क्षमता निर्माण के लिए राज्य को आवंटित किए गए हैं)। राज्य सरकार को 2.77 करोड़ रु. की पहली किस्त और एनआरएससी को 0.43 करोड़ रुपये (20%) अग्रिम के रूप में 23.02.2018 को जारी किए गए हैं। आवंटित और जारी की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	विवरण	राशि करोड़ रु में
1	उप-योजना के अंतर्गत स्वीकृत कुल निधि	16.01
2	एमपी और सीबी के लिए स्वीकृत निधि	13.86
3	एनआरएससी (जीआईएस) के लिए स्वीकृत निधि	2.15
4	पहली किस्त (20%) के रूप में जारी की गई राशि	2.77
5	एनआरएससी को जारी की गई निधि	0.43

एनआरएससी ने विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रह और पुनरीक्षण हेतु सात अमृत नगरों (तिरुवन्नामलाई, अंबुर, तिरुनेलवेली, थूथुक्कुडी, कुड्डालोर, नागपट्टिनम और वेलंकन्नी) के भू-डेटाबेस को सौंप दिया है, जो राज्य स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

3.0 क्षेत्र (फील्ड) सत्यापन और विशेषता (एट्रिब्यूट) डेटा संग्रह पर प्रशिक्षण

तमिलनाडु सरकार ने दिनांक 29.4.2019 के पत्र सं. 17398/2015/टीसीपी-5 और दिनांक 30/07/2019 तथा 06/08/2019 की ईमेल द्वारा टीसीपीओ से एनआरएससी द्वारा बनाए गए भू-डेटाबेस के क्षेत्र सत्यापन और विशेषता डेटा संग्रह पर प्रशिक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया। प्रशिक्षण 26-27 अगस्त 2019 के दौरान चेन्नई में आयोजित किया गया था और तिरुवन्नामलाई में क्षेत्र का दौरा किया गया था। तदनुसार, श्री. मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ ने चेन्नई और तिरुवन्नामलाई का दौरा किया और प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीटीसीपी, अमृत नगरों से निदेशक, डीटीसीपी, उप निदेशक, सहायक निदेशक, नगर नियोजन अधिकारी, सहायक कर्यकारी अभियंता (नियोजन), अपर मुख्य अभियंता, शहरी योजनाकार, पर्यवेक्षक, और नक्शानवीस (ड्राफ्ट्समैन) इत्यादि और सलाहकारों सहित 42 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों की सूची अनुलग्नक-I पर है।

प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन औपचारिक रूप से श्री थिरु चंद्र शेखर सखामुरी, आईएएस, निदेशक, नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशालय, तमिलनाडु सरकार द्वारा किया गया था। उन्होंने स्वागत भाषण दिया और उसके बाद प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची अनुलग्नक-II पर है।

दिन 1. उप-योजना, डिजाइन और मानकों तथा पुनरीक्षण प्रक्रियाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी

औपचारिक उद्घाटन सत्र के बाद श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ द्वारा अमृत शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने पर उप-योजना पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें तमिलनाडु में समग्र वास्तविक और वित्तीय प्रगति तथा उप-योजना की स्थिति शामिल थी। उप-योजना के डिजाइन और मानकों से परिचित कराने के लिए दूसरे सत्र में उनके द्वारा डिजाइन और मानकों की विस्तृत प्रस्तुति भी की गई। यह प्रस्तुति 8 परतों, 69 प्रमुख श्रेणियों और 475 उप-श्रेणियों के साथ-साथ सुदूर संवेदन (रिमोट सेंसिंग), स्थानिक संदर्भ, भू-स्थानिक विशेष (फीचर) सामग्री और जीआईएस डेटा अवसंरचना, गुणवत्ता आश्वासन / गुणवत्ता जांच और मेटाडेटा पर मानकों पर केंद्रित थी।

दोपहर के सत्र में श्री मोहम्मद मोनिस खान टीसीपी, टीसीपीओ द्वारा तमिलनाडु के अधिकारियों को विस्तृत चरण दर चरण पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। कई अधिकारियों ने आधार मानचित्रों के पुनरीक्षण में कई शंकाएं उठाईं, जिनका स्पष्टीकरण प्रस्तुति के दौरान ही कर दिया गया।

दिन 2. क्षेत्र का दौरा

दूसरे दिन, सभी प्रतिभागियों को अमृत शहर तिरुवन्नामलाई ले जाया गया, जो चेन्नई से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। एनआरएससी द्वारा प्रदान किए गए ग्रिड मानचित्र, तदनरूपी विशेषता तालिका की प्रति और सरलीकृत कोडिंग सूची के साथ सभी प्रतिभागियों का क्षेत्र का दौरा आयोजित किया गया और प्रतिभागियों को नमूना पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह के लिए तिरुवन्नामलाई में पांच टीमों में बांट कर पांच अलग-अलग स्थानों के लिए तैनात किया गया और उन्हें बहुभुज, रेखा और बिंदु विशेषताओं के कम से कम 50 नमूने एकत्र करने के लिए कहा गया।

प्रत्येक प्रतिभागी ने क्षेत्र प्रशिक्षण में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र के दौरे का पर्यवेक्षण किया और प्रश्नों तथा मुद्दों को वहीं पर हल किया। टीमें दोपहर में अपनी फील्ड शीट और कुछ प्रश्नों के साथ प्रशिक्षण केंद्र लौट आईं।

लंच के बाद का सत्र क्षेत्र के दौरे के दौरान अनुभव और प्रतिक्रिया (फीडबैक) पर चर्चा करने के लिए था। सत्र के दौरान, प्रत्येक प्रतिभागी ने बताया कि उन्होंने कैसे पुनरीक्षण और विशेषता डेटा संग्रह किया। क्षेत्र आदि पर उनके सामने आने वाले मुद्दों और शंकाओं को श्री मो. मोनिस खान, नगर एवं ग्राम नियोजक, टीसीपीओ द्वारा स्पष्ट किया गया और उन्हें प्रक्रियाओं के बारे में एक बार फिर से समझाया गया।

श्री शिव प्रकाशन, उप-निदेशक, नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशालय, तमिलनाडु द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया।

****